



বোবালা মূল্য = ৪৫, ০০০, টাকা

খানা দুর্গাপুর মৌজা শং করণ্পুর।

admissible under Rule 21 also
under section of the WBL & As
duly stamped under the Indian
Stamp Act 1859
Sch. duty 1 A No
Sum paid 7.31/-
T. Date 28/6/2008

M.C. Dist. Sub-Registrar
Dagapur

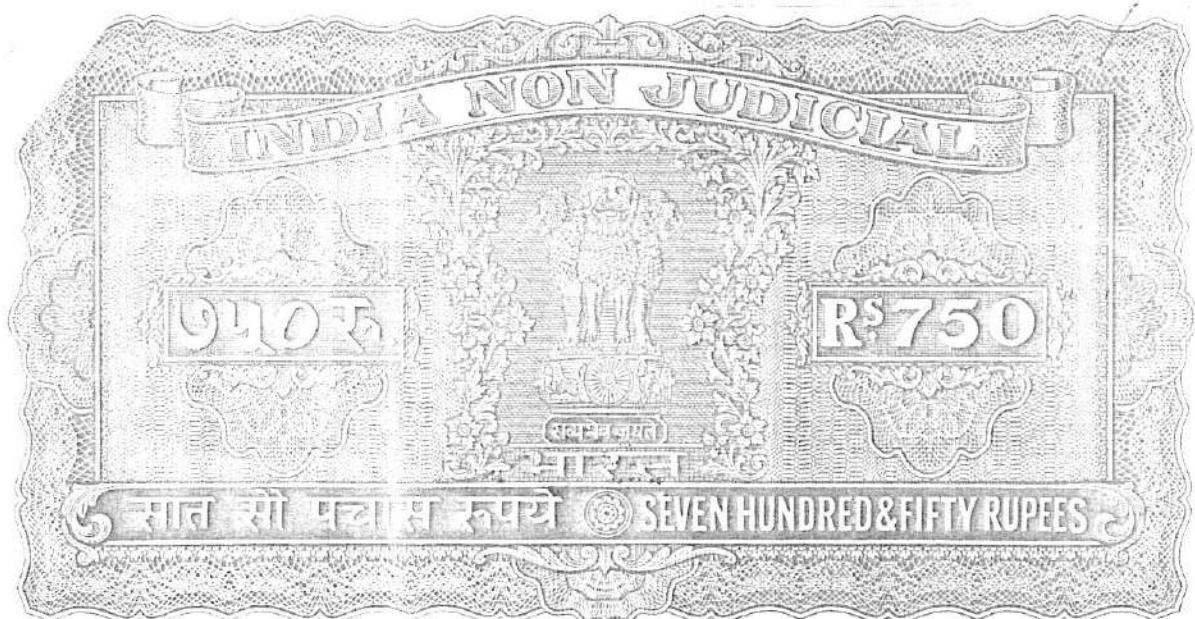
28.6.2008

market value of the property assessed

Rs. 1,000/-	deficit Stamp duty paid
Rs. 1,000/-	realised by a bank 2 of 1
Rs. 1,000/-	on which stamp duty paid
Rs. 1,000/-	Subsequent Regn. fees etc included
Rs. 1,000/-	(Rupees)

বৈবানা প্রতিতা গুর-১। শ্রী সৌমিত্র মজুমদার ২। শ্রী ঘনুগ কুমার মজুমদার ৩। শ্রী প্রনব
মজুমদার মুলনের পিতা শ্রী নিয়াই চন্দ্র মজুমদার। জাতি হিন্দু পেশা চাকুরী সার- ২। ৬।
ডেভিড হেয়ার রোড দুর্গাপুর - ৫ খানা ও মহকুমা দুর্জাপুর জেলা বর্ধমান।

N.
R. Durasou



८५४
१९७५
३० अक्टूबर
२०१०

(३)

কোবালা দাতা - শ্রী জ্যোতি প্রসন্ন চট্টবর্তী খিতা সুন্দীয় আঃকালি প্রসন্ন চট্টবর্তী। জাতি হিন্দু
লেশা চাবুরি সাব- ওব। ১৪ রামকৃষ্ণ এক্সচেণ্টেন এজেন্স দুর্গাপুর - ৪ থানা ও মহকুমা
দুর্গাপুর জেলা বর্ধমান।

কথা বিত্তে ঘোষ কোবালা পত্র যিন্দঃ কার্য্যালাগে নিম্নের
চৰণীনোট সম্পত্তি আয়ার দুর্গাপুর সাব রেজেন্ট্রী অফিসের ইং- ১৮১ সালে রেজেন্ট্রী কৃত=
৩৬৪১ নং ধোক কোবালা দলিল মূলে শাক্তরপুর নিবাসী শ্রী পশ্চাদুর ঘোষ এর নিকট হইতে
খরিদ্বানিজ সুন্দীয় দখলীয় খাষ দখলীয় সম্পত্তি হইতেছে এবং আয়ি সুত্বান ও দখলকারহইয়া
জন্যতেক সর্বসাধারনের জাতসারে নির্বিবাদে তোগ দখল করিতেছি। এমনে আয়ার নগদ টাকার
বিশেষ প্রয়োজনে নিম্নে উল্লিননির্ধিত সম্পত্তি বিত্তের ঘোষনা দিলে আপনারা তাহা খরিদ করিতে
সম্মত হওয়ায় উল্লিনোট সম্পত্তির মূল্য = ৪৫, ০০০, গুড়াম্বিশ হাজার টাকা শিরতরে ত মূলোর



१८७६-८५-२३
१९०५-१२-२३
१९०५-१२-२३

(०)

वाहन अमाक टाका नमद प्रथमे उपशीलोड संपत्ति आगवानिगके विक्रेत्या करिलाय एवं विक्रीत संपत्तिर दखल देणे हईते आपनादेर अनुकूले छाड्याद्या दिया चिरनि सुतु ओ दखलचातु इहीलाय एवं सुविकार ओ उपशीलोड करितेहि ये उपशीलोड विक्रीत संपत्तिते अन्यजक आमार ये प्रबाहरक सुतुादि लडा दखलाधिकारादि छिन ओ आहे उम्मेश्वर सुतुादि आमाके मायू उम्मारिशनके चिरतरे लोप ओ राहित हईम्मा मध्ये सुतुादि आपनादेर श्रुति उर्ध्वं उर्ध्वं वर्त्तम। आगवारा उपशीलोड विक्रीत संपत्तिते सर्वप्रकार निवाच सुतुर यानिक ओ दखलकार हईया संपत्ति विजेत्या यत ये वोनरूपे येकोनकार्ये व्यवहार ओ नियोग करिया ओ सरकारके देयू खातवादि श्रुति समझन विजनाये आदायू दिया ओ दान विक्रेत्यादि सर्वप्रकार हट्टात्तरादि करनेर फसायू भेद शुद्ध शेषादि मायू उम्मारिशन ओ श्वनाडिहिट्टे गन्त्र्ये घटेच्छा तावे गरेय अूष्ठे डोग दखल करिते थाकून। ताथाते आमि मायू उम्मारिशन केह कथनो कस्मिनकाले बोन्प्रकारेर उज्रापत्य वा दावी दात्या करिते पारिव ना ओ बरिजना बरिन ओ ताहा सर्वशाने बातिल ओ नामजूर हईवे। विक्रीत संपत्ति संपूर्ण निर्दायू ओ मूळावस्थायू विक्रेत्या करिलाय। तावी काले विक्रीति संपत्तिते वोन प्रकार दायादि खाका प्रकाश नाहीले ताहा स्वीय एकायू उत्थार करिया ओ कराईया दिव। विक्रीत संपत्तिते चाय हईतेहे।

খেলাদ্য প্রতিষ্ঠান
কলা বিভাগ

(৮)

এতদর্থে সু-হ চিত্তে সরল মনে স্বেচ্ছায় মূল্যের বাবদ অধিক টাকা নগদ প্রথমে এবং বিক্রয় থেকে কোবালা
প্রতি সম্বাদে করিয়া দিলাম। ইতি মন=১৪০৭ সাল তা=১৯৩৮ খ্রিষ্টাব্দে এবং তা=১২১৬।২০০১

তৎপৰী নং-জেনা বর্ধমান খানা ও মহকুমা ও অভিবিজ্ঞ জেনা সাব রেজেস্ট্রী অফিস দুর্গাপুর সারীন=১৫ নং
জে, এল, ডুক্স মৌজা শংকরপুর মধ্যে খতিয়ান নং=২৭৪ নংই শত চুয়াড়ির কৃষি। রামত দখনী সুস্থ।
খাজনা ধার্য্য যত দিবেন। ডুম্যাদিকারী পছে বি, এল, এবং এল, আর, অফিস দুর্গাপুর।

দাগ নং=১৬-৪৫টি ছান্বিশের বাটা চারিশত ছিয়াশি হইতে হাল দাগ নং=১১৬ এক শত ঘোল বাইদ
পরিধান=৪ চার কাঠা ৪ চার ছাটাক বা সে-মালে কয়বেশী ০৭ সাত শতক বিক্রয় করিলাম। যাহা
প্রতি দণ্ডে গ্রহিত ক্ষত্যার লাল রং দুর্বা বেশি টেক জাগ হইতেছে এবং ক্ষত্য দণ্ডের একাশ হইল।
উত্তরে কৃষ্ণ পাঞ্চাঙ্গ বাস্তু স্টাইলে তৈরি কোম অংশ,

রেকর্ডস্টেট দণ্ডে প্রত্িক্রিয়া করিলাম।

তা-প্রক্রিয়া ক্ষত্যাগণ,
১. আর. পি. পি. ৪৪

সাধী -

শ্রী পুজু পুজু
আর. আ. আ. আ. আ. আ. আ.

দণ্ডে প্রাই কারক-
শ্বেত লেপ্ট

শেনী নাথ। শোপালয়াট।

যোঁ-দুর্গাপুর এ, ডি, এস, আর, অফিস

পিটিমেণ্টার।

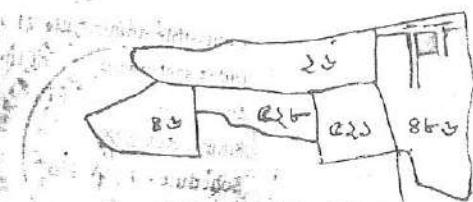
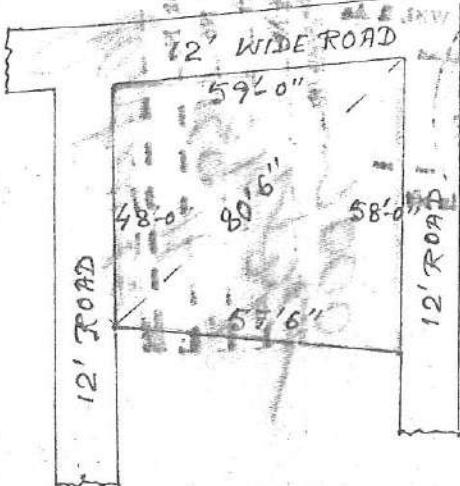
N OF G.S.PLOT NO:- 26/486 (SUB PLOT NO:- 5)

- SANKARPUR, T.L.NO:- 95, P.S:- FARIDPUR,

RDWAN, AREA:- 04 KATHA 04 CHATAK.

0:-

SCALE:- 1" = 33'



INDEX MAP
SCALE:- 1" = 330'

25 25 225 85 85
25 25 225 85 85
25 25 225 85 85
25 25 225 85 85

DRAWN BY - S.